|| श्री गणेश आरती ||

Panotbook.com

|| श्री गणेश आरती ||

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा।।

एकदंत, दयावन्त, चार भुजाधारी,
माथे सिन्दूर सोहे, मूस की सवारी।
पान चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा,
लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा।।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश, देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा।।

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया,
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया।
'सूर' श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा।।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा।

दीनन की लाज रखो, शंभु सुतकारी।
कामना को पूर्ण करो जय बलिहारी।

Panotbook.com

|| श्री गणेश आरती मराठी ||

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची
नुरवी पूर्वी प्रेम कृपा जयाची
सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची

कंठी झळके माळ मुक्ताफळाचीजय देव जय देव जय मंगलमूर्ती
दर्शनमात्रे मनकामना पुरतीरत्नखचित फरा तूज गौरीकुमरा

चंदनाची उटी कुंकुमकेशरा
हिरे जडित मुकुट शोभतो बरा

रुणझुणती नुपुरे चरणी घागरियालंबोदर
पितांबर फनी वरवंदना

सरळ सोंड वक्रतुंड त्रिनयना
दास रामाचा वाट पाहे सदना
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवंदना

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती
दर्शनमात्रे मनकामना पुरती

Panotbook.com

धार्मिक तथा अन्य हजारो किताबें
इस वेबसाइट से डाउनलोड करे